



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के लिए करणीय कार्य पर हुआ विशिष्ट व्याख्यान

भारतीय भाषाओं के लिए एकसमान तकनीकी शब्दावली तैयार करने की आवश्यकता : चमू कृष्ण शास्त्री वर्धा, 09 अक्टूबर 2026 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भाषाविज्ञान विभाग एवं हिंदी साहित्य विभाग की ओर से भारतीय भाषाओं के लिए करणीय कार्य विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में भारतीय भाषा समिति, भारत सरकार के अध्यक्ष चमू कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सभी भारतीय भाषाओं के लिए एकसमान तकनीकी शब्दावली तैयार करने की आवश्यकता है।

गालिब सभागार में शुक्रवार, 09 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने की। श्री चमू ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय भाषाओं को शामिल करने के कारण भारतीय भाषाओं से संबंधित विषय उभरकर



सामने आया है। उन्होंने कहा कि भारत में भाषा विवाद कभी नहीं रहा। भाषाओं की आत्मीयता के बीच एकता थी। उनका कहना था कि हमारे प्राचीन ग्रंथों का अनुवाद नहीं बल्कि अनुकृति होती रही है। इसे कथावस्तु के आधार पर अपनी-अपनी भाषा में लाया गया। उन्होंने भाषाओं के लिए करणीय कार्य का उल्लेख करते हुए कहा कि भाषा विकास के लिए बोलनेवाले लोग चाहिए, माध्यम भाषा के रूप में प्रयोग होना चाहिए। निरंतर नवीन शब्द निर्माण की प्रक्रिया चलती रहे, तकनीकी को अपनाया जाना चाहिए। पठन-पाठन की सामग्री तैयार की जानी चाहिए और भाषाओं को राजाश्रय मिलना चाहिए। इससे भारतीय भाषाओं का संवर्धन व संरक्षण हो सकेगा।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि सभी भारतीय भाषाओं के लिए स्वस्थ वातावरण तैयार करना हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं के लिए प्रगाढ़ता का ताना-बाना बना हुआ है और भारतीय भाषाओं के हृदय की धड़कन एक ही है। भारतीय भाषा परिवार के कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय भारतीय भाषाओं के



संबंध में पठन-पाठन के साथ-साथ शोध की दिशा विकसित करेगा।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण भाषा विद्यापीठ की अधिष्ठाता प्रो. प्रीति सागर ने दिया। कार्यक्रम का संचालन भाषाविज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. आम्रपाल शेंदरे ने किया तथा भाषाविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एच.ए. हुनगुंद ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं कुलगीत गायन से किया गया तथा समापन राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान से किया गया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालयात भारतीय भाषांसाठी करावयाच्या कार्यावर विशेष व्याख्यान

भारतीय भाषांसाठी एकसमान तांत्रिक शब्दावली तयार करण्याची गरज : चमू कृष्ण शास्त्री

वर्धा, ९ ऑक्टोबर २०२६ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचा भाषाविज्ञान विभाग आणि हिंदी साहित्य विभाग यांच्या संयुक्त विद्यमाने 'भारतीय भाषांसाठी करावयाची कार्ये' या विषयावर आयोजित विशेष व्याख्यानात भारतीय भाषा समिती, भारत सरकारचे अध्यक्ष चमू कृष्ण शास्त्री यांनी सर्व भारतीय भाषांसाठी एकसमान तांत्रिक शब्दावली तयार करण्याची गरज असल्याचे प्रतिपादन केले.

शुक्रवार, ९ ऑक्टोबर रोजी गालिब सभागृहात आयोजित कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा होत्या. यावेळी चमू कृष्ण शास्त्री म्हणाले की, राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण-२०२० मध्ये भारतीय भाषांचा समावेश झाल्यामुळे भारतीय भाषांशी संबंधित विषयांना विशेष महत्त्व प्राप्त झाले आहे. भारतात भाषांवरून कधीही वाद निर्माण झाला नाही. विविध भाषांमधील आत्मीयतेतून एकतेची भावना जपली गेली आहे. आपल्या प्राचीन ग्रंथांचे केवळ भाषांतर झाले नाही, तर त्यांच्या आशयाच्या आधारे विविध भाषांमध्ये त्यांची अनुकृती करण्यात आली, असेही त्यांनी नमूद केले. भारतीय भाषांच्या विकासासाठी आवश्यक असलेल्या कार्याचा उल्लेख करताना ते म्हणाले की, भाषेच्या विकासासाठी ती भाषा बोलणारे लोक असणे आवश्यक आहे. तसेच, त्या भाषेचा माध्यम भाषा म्हणून वापर झाला पाहिजे. भाषांमध्ये सातत्याने नवनवीन शब्दनिर्मिती होणे, तंत्रज्ञानाचा स्वीकार करणे आणि वाचन-अध्यापनासाठी आवश्यक साहित्य तयार करणे गरजेचे आहे. याशिवाय, भाषांना राजाश्रय मिळणेही महत्त्वाचे आहे. या प्रयत्नांमुळे भारतीय भाषांचे संवर्धन आणि संरक्षण करणे शक्य होईल, असे त्यांनी स्पष्ट केले.

अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा म्हणाल्या की, सर्व भारतीय भाषांसाठी पोषक वातावरण निर्माण करणे ही आपल्या सर्वांची जबाबदारी आहे. भारतीय भाषांमध्ये परस्परांशी घट्ट नाते जोडणारे बंध असून, त्यांच्या हृदयाची स्पंदने एकच आहेत. भारतीय भाषा समितीच्या कार्याचे कौतुक करताना त्यांनी सांगितले की, विद्यापीठ भारतीय भाषांच्या संदर्भात अध्यापनाबरोबरच संशोधनाची दिशाही विकसित करेल.

कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक भाषा विद्यापीठाच्या अधिष्ठाता प्रो. प्रीती सागर यांनी केले. भाषाविज्ञान विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. आम्रपाल शेंदरे यांनी कार्यक्रमाचे संचालन केले, तर भाषाविज्ञान विभागाचे अध्यक्ष डॉ. एच. ए. हुनगुंद यांनी आभार मानले. कार्यक्रमाची सुरुवात दीपप्रज्ज्वलन, सरस्वतीच्या प्रतिमेला पुष्पहार अर्पण आणि विश्वविद्यालय गीताने झाली. समारोप राष्ट्रीय गीत आणि राष्ट्रगीताने करण्यात आला.

या कार्यक्रमाला अधिष्ठाता, विभागप्रमुख, शिक्षक, शोधार्थी आणि विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305